भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या: 72
गुरुवार, 04 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण,1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

नागरिक विमानन संबंधी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना

***72. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही:**
श्रीमती डी. के. अरुणा:
क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा अगस्त, 2025 के पूर्वी क्षेत्र, विशेषकर ओडिशा, झारखंड और राजस्थान के पर्यटन स्थलों वाले क्षेत्रों में विशेषत: विमानपत्तन अवसंरचना, क्षेत्रीय संपर्क, कौशल विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के क्षेत्रों में नागर विमानन क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए केन्द्र-राज्य-उद्योग सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु कौन-कौन सी प्रमुख पहलें की गई हैं;
(ख) उक्त अवधि के दौरान पूर्वी क्षेत्र, झारखंड और राजस्थान में पर्यटन स्थलों वाले क्षेत्रों में उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना के अंतर्गत विमानपत्तनों, नए मार्गों और अनुरक्षण, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधाओं का ब्यौरा और संख्या क्या है;
(ग) आर्थिक विकास, संपर्क और रोजगार सृजन पर इन पहलों का संभावित अल्पकालिक और मध्यावधि प्रभाव और योगदान क्या है;

(घ) उक्त क्षेत्रों/स्थानों में टियर-2 और टियर-3 शहरों में विमानन सुविधाओं की सुलभता का विस्तार करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्ट समय-सीमा, लक्ष्य और उपलब्धियां क्या हैं; और

(ङ) कंधमाल लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत गुदारी हवाई पट्टी और राजस्थान में आबू रोड पर मानपुर हवाई पट्टी सहित छोटी एयरफील्ड की स्थापना से संबंधित प्रस्तावों की स्थिति क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"नागरिक विमानन संबंधी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना" के संबंध में श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही और श्रीमती डी. के. अरुणा द्वारा पूछे गए दिनांक 4 दिसंबर, 2025 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 72 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ङ): हवाईअड्डों पर अवसंरचना सुविधाओं का आधुनिकीकरण और विकास एक सतत प्रक्रिया है और इसे यात्री मांग पूर्वानुमानों, प्रचालन और सुरक्षा संबंधी अपेक्षाओं और एयरलाइनों की आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है।

क्षेत्रीय विमानन को सुदृढ़ बनाने के लिए नागर विमानन मंत्रालय, हवाईअड्डा विकास, उड़ान संपर्क, कौशल विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के विकास विषयों पर राज्यों और उद्योग हितधारकों के साथ संरचित वचनबद्धता के लिए क्षेत्रीय नागर विमानन मंत्री सम्मेलनों का आयोजन करता रहा है। दिनांक 25 अगस्त 2025 को भुवनेश्वर में आयोजित पूर्वी क्षेत्र सम्मेलन ने विमानन विस्तार के अवसरों पर चर्चा करने के लिए ओडिशा, झारखंड और अन्य पूर्वी राज्यों के लिए एक मंच प्रदान किया। इसी प्रकार की वचनबद्धताएं केंद्रित समन्वय और शीघ्र निर्णय के माध्यम से राजस्थान जैसे पर्यटन-समृद्ध क्षेत्रों को भी सहयोग प्रदान करती हैं।

उड़ान योजना के अंतर्गत, बिहार में पूर्णिया हवाईअड्डे का विकास और उद्घाटन 15 सितंबर 2025 को किया गया था तथा वर्तमान में यह हवाईअड्डा कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद और हैदराबाद से जुड़ा हुआ है।

वर्ष 2025 में, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एमआरओ सुविधाओं के लिए भुवनेश्वर हवाईअड्डे पर राज्य सरकार को और कोलकाता हवाईअड्डे पर एवरडिलिवर लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड को भूमि आवंटित की है।

नागर विमानन महानिदेशालय ने अगस्त 2025 में दुमका, झारखंड में एक उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) के लिए भी मंजूरी दी है।

दिनांक 19.08.2025 को, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 1507 करोड़ की अनुमानित लागत से कोटा-बूंदी, राजस्थान में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास को मंजूरी दी है।

उड़ान योजना ने कनेक्टिविटी और पहुंच में सुधार, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ाने और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करके पूर्वी क्षेत्र को सुदृढ़ किया है। सरकार ने पूर्वी क्षेत्र सहित देशभर के 120 नए गंतव्यों के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना शुरू करने की घोषणा की है।

ओडिशा में गुडारी (फूलबनी) हवाईपट्टी और राजस्थान में मानपुर (अबू रोड) हवाईपट्टी उड़ान योजना के तहत असेवित हवाईअड्डों के रूप में सूचीबद्ध हैं। तथापि, किसी भी एयरलाइन ने बोली के पिछले दौर में इन हवाईपट्टियों से आरसीएस उड़ानों के प्रचालन हेतु बोलियां प्रस्तुत नहीं की हैं।

******